Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 26 सितंबर, 2023

नासा का पहला क्षुद्रग्रह नमूना पृथ्वी पर लाया गया

- 8 सितंबर 2016 को लॉन्च किये गए नासा के **ऑरिजिंस, स्पेक्ट्रल इंटरप्रिटेशन, रिसोर्स आइडेंटिफिकेशन और सिक्योरिटी-रेजोलिथ एक्सप्लोरर** (OSIRIS-REx) अंतरिक्ष यान की सहायता से पृथ्वी के निकटीय **क्षुद्रग्रह बेन्नु** (पूर्व में 1999 RQ36) से **क्षुद्रग्रह के पहले नमूनों** को सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लाया गया है। सात वर्ष की लंबी यात्रा के बाद यह अंतरिक्ष यान **4.5 अरब वर्ष पुराने बहुमूल्य नमूने लेकर आया** है।
    - पृथ्वी के निकट से तीव्रता से गुज़रने के दौरान **ओसिरिस-रेक्स नमूना कैप्सूल** रिलीज़ किया गया, यह क्षुद्रग्रह नमूनों को संरक्षित करते हुए **संयुक्त राज्य अमेरिका के यूटा रेगिस्तान** में सुरक्षित रूप से लैंड हुआ।
    - वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस कैप्सूल में **कार्बन-समृद्ध क्षुद्रग्रह बेन्नु** का मलबा है, जो मात्रा में कम से कम एक कप जितना हो सकता है।
    - यह नमूना **4.5 अरब वर्ष पूर्व की पृथ्वी और जीवन के बारे में अमूल्य जानकारी** प्रदान करेगा।
- ओसिरिस-रेक्स अपनी उड़ान और मिशन जारी रखेगा, यह वर्ष 2029 में **एपोफिस नामक एक अन्य क्षुद्रग्रह** तक पहुँच कर उसका अध्ययन करेगा।

फिलीपींस के अधिकारियों ने चीन के दक्षिण चीन सागर अवरोध को चुनौती दी

- फिलीपींस के अधिकारियों ने दक्षिण चीन सागर **के विवादित स्कारबोरो शोल** में चीन के तट रक्षक द्वारा स्थापित 300 मीटर लंबे फ्लोटिंग बैरियर को हटाने की वचनबद्धता जताई है। उन्होंने **फिलिपिनो मछुआरों के अधिकारों** के उल्लंघन पर प्रकाश डालते हुए इसे **"अवैध और अनुचित"** कहा।
    - फिलीपींस का दावा है कि स्कारबोरो शोल उसके समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCLOS) द्वारा परिभाषित विशेष आर्थिक क्षेत्र के अंतर्गत आता है, **यह दावा वर्ष 2016 के मध्यस्थता निर्णय में बरकरार रखा गया था** जिसे चीन ने खारिज़ कर दिया था।
    - यह विवाद संभावित **एशियाई भू-राजनीतिक हॉटस्पॉट** व दक्षिण चीन सागर में लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाता है।
- दक्षिण चीन सागर व **पश्चिमी प्रशांत महासागर** की एक शाखा, ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम से लगती है।
    - यह **ताइवान जलडमरूमध्य के माध्यम से पूर्वी चीन सागर** और **लूज़ॉन जलडमरूमध्य के माध्यम से फिलीपींस सागर** से जुड़ता है।
    - इसमें स्प्रैटली द्वीप समूह, पैरासेल द्वीप समूह, प्रतास द्वीप समूह, मैकल्सफील्ड बैंक और स्कारबोरो शोल शामिल हैं।

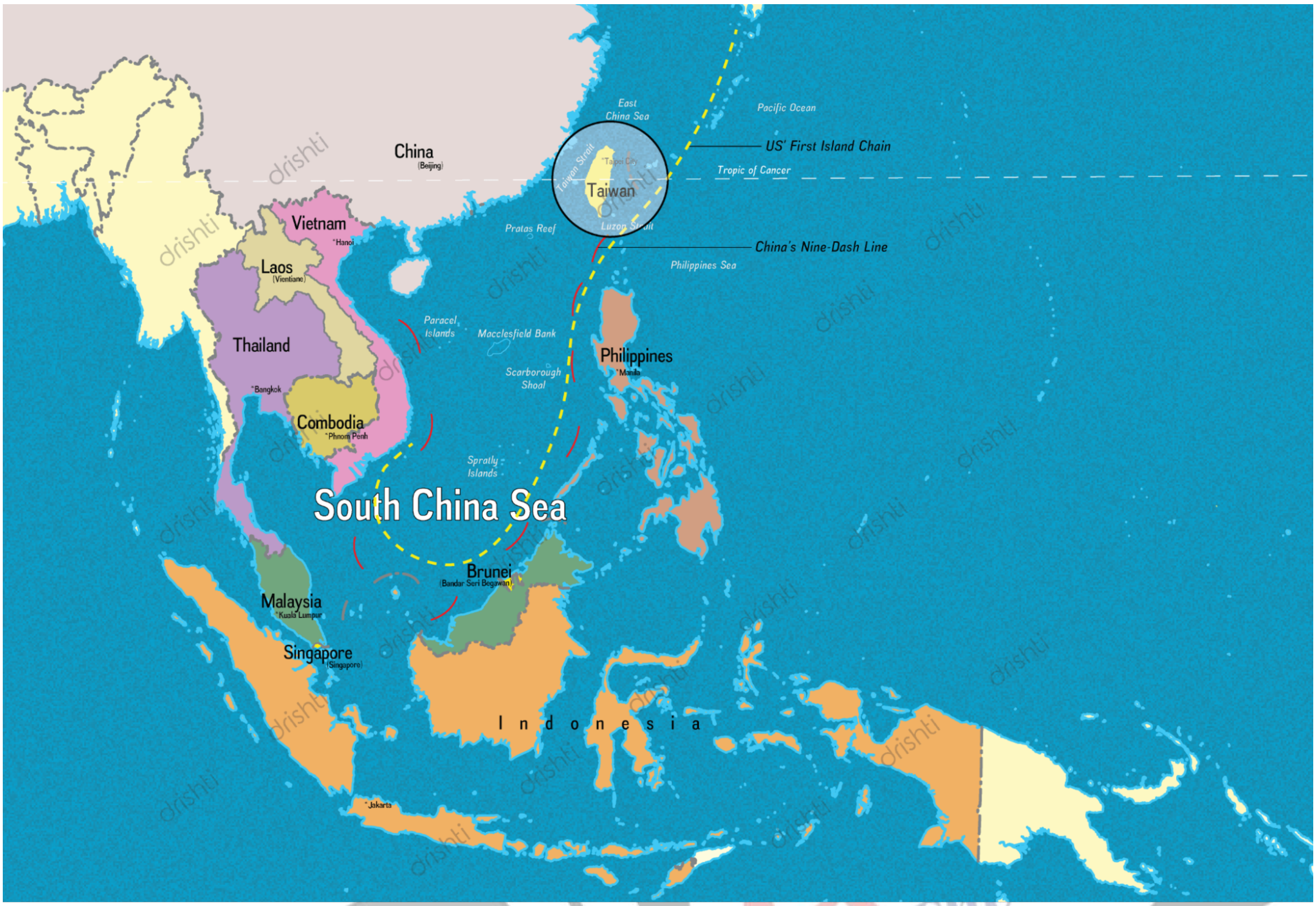

[//](#)

और पढ़ें..: [दक्षणि चीन सागर](#)

महाराष्ट्र के क्षणभंगुर पौधे (Ephemerals)

महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों में, एक प्रकार के **आकर्षक वनस्पति उगते** हैं, जिनमें पौधों की ऐसी प्रजातियाँ, जिन्हें **क्षणभंगुर पौधे** कहा जाता है, में [मानसून के मौसम](#) के दौरान **पुष्प खलिते** हैं।

- ये **क्षणभंगुर पौधे दो रूपों में उगते हैं: वार्षकि और सदाबहार/बारहमासी**।
    - वार्षकि क्षणभंगुर पौधों में प्रतविर्ष नए पुष्प आते हैं, जो **बीज बनने** से पूर्व एक संक्षपि्त अवधकि लिये अपनी सुंदरता का प्रदर्शन करते हैं और फरि **आगामी मानसून तक नष्क्रिय** रहते हैं।
    - दूसरी ओर, सदाबहार पौधों की **स्थाई उपस्थतिनिरिंतर** बनी रहती है, जो प्रकंदों द्वारा जीवंत बने रहते हैं।
- ग्राउंड ऑर्कडि से लेकर लिली, जंगली रतालू और इंडियन स्क्वलि जैसे क्षणभंगुर पादप स्थानीय परागणकों के लिये **मकरंद** एवं [पराग स्रोतों](#) के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, साथ ही आवश्यक मट्टिी और जल संवहन को भी संरक्षति करते हैं।

भारत से मानसून की वापसी में देरी

[भारत मौसम विज्ञान विभाग](#) के अनुसार भारत में [दक्षिण-पश्चिमी मानसून](#) सामान्य तिथि से आठ दिन की देरी से वापस जाना शुरू हो गया है। वर्ष **2023 में मानसून की 13वीं बार देरी से वापसी हुई।**

- **दक्षिण-पश्चिम की दलील आम तौर पर 1 जून तक केरल में शुरू होती है** और 8 जुलाई तक पूरे देश को इसमें शामिल कर लिया जाता है।
  - यह **17 सितंबर के आसपास उत्तर पश्चिम भारत से वापस लौटना** शुरू कर देता है और 15 अक्तूबर तक पूरी तरह से इसकी वापसी हो जाती है।
- **मानसून की वापसी में देरी से बारिश का मौसम दीर्घकालिक** हो जाता है, जिसका कृषि उत्पादन पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है, विशेषकर उत्तर पश्चिम भारत के लिये जहाँ [रबी फसल उत्पादन](#) के लिये **मानसून की वर्षा महत्त्वपूर्ण** है।

और पढ़ें: [दक्षिण-पश्चिम मानसून](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-26-september,-2023